Apex Institute of Ayurvedic Medicine & Hospital is with **Apex Super Speciality Hos...**
Published by **Shubham Vishwakarma** · July 22 at 1:37 PM ·

🌿🏫 एनसीआईएसएम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में एपेक्स आयुर्वेद संस्थान के संकाय सदस्यों ने किया प्रतिभाग 🇮🇳

📍 चुनार, मिर्जापुर ! एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल, चुनार के चेयरमैन प्रो. डॉ. एस. के. सिंह की संरक्षता में संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत विभाग के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NCISM), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

🗓️ 21 जुलाई, 2026 को राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, पटना में आयोजित इस कार्यशाला में "SAMSADHANI – Teaching Learning Platform" एवं "Ashtanga Hridaya e-Reader (First Fifteen Chapters)" के प्रभावी उपयोग पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

🌄 कार्यशाला में विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अनिल शुक्ला, डॉ. अमित शर्मा, डॉ. ज्ञानेश एवं आचार्य नीलकमल मिश्रा ने सक्रिय सहभागिता करते हुए आयुर्वेद संहिताओं के अध्यापन में नवीन शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल तकनीकों एवं नवाचार आधारित शिक्षण संसाधनों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी प्रतिभागियों को NCISM की ओर से सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। 🏅📜

💐 इस अवसर पर डीन प्रो. डॉ. सुनील मिस्त्री एवं प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. पी. के. सिंह ने सभी प्रतिभागी संकाय सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशल को नई दिशा प्रदान करते हैं। आधुनिक डिजिटल शिक्षण संसाधनों के समावेश से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी एवं तकनीक-सम्मत आयुर्वेद शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी तथा संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता को और अधिक मजबूती मिलेगी।

🌿 एपेक्स आयुर्वेद – परंपरा, नवाचार और उत्कृष्ट शिक्षा का संगम।

#ApexAyurveda #ApexInstitute #NCISM #MinistryOfAyush #Ayush #Ayurveda #NationalWorkshop #DigitalLearning #IndianKnowledgeSystem #Healthcare #samapur #GovernmentofUttarPradesh #UPGovernment #bharatsarkar #cmofficeuttarpradesh #YogiAdityanath #NarendraModi #PMModiLive #PMModiji #AmitShah #JPNadda #RajnathSingh #KeshavPrasadMaurya #PiyushGoyal #brajeshpathakbjp #ashishpatel #anupriyapatelofficial #anuragpatel #swatantradevsingh #OmPrakashRajbhar #Ministryofeducationinnovationcell #MygovIndiandia #updirectorate #ViceChancellor #apexwelcaretrust #Chunar #Mirzapur #mirzapurnews #districtadministrationmirzapur #districtmagistratemirzapur #districtadministrationvaranas #rajkiyaayurvedcollege #patna #MedicalEducation #FacultyDevelopment #AcademicExcellence #Chunar #Mirzapur #UttarPradesh #India #ministryofeducation **See less**

A NATIONAL WORKSHOP ON
ASHTANGA HRIDAYA
E-READER & SAMSADHINI

A NATIONAL WORKSHOP ON
ASHTANGA HRIDAYA
E-READER & SAMSADHINI
ncism

A NATIONAL WORKSHOP ON
ASHTANGA HRIDAYA
E-READER & SAMSADHINI
FOR FACULTIES OF SAMHITA SIDDHANTA
ORGANIZED BY

राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय
स्थापित

राष्ट्रीय कार्यशाला में चमका एपेक्स आयुर्वेद संस्थान

शिक्षकों ने सीखी नई तकनीक

जगप्रकाश संवाददाता

चुनार, मिर्जापुर। एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल, चुनार के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनसीआईएसएम) एवं आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभाग कर आधुनिक डिजिटल शिक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह कार्यशाला 21 जुलाई 2026 को राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, पटना में आयोजित हुई। संस्थान के चेयरमैन प्रो. डॉ. एस. के. सिंह के संरक्षण में आयोजित सहभागिता के दौरान संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अनिल शुक्ला, डॉ. अमित शर्मा, डॉ. ज्ञानेश तथा आचार्य नीलकमल मिश्रा ने "SAMSADHANI–Teaching Learning Platform" और "Ashtanga Hridaya e&Reader" के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण लिया। हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इस डिजिटल मंच का उद्देश्य आयुर्वेद के शास्त्रीय ग्रंथों के अध्यापन को अधिक सरल, वैज्ञानिक और तकनीक–सम्मत बनाना है। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने आयुर्वेद संहिताओं के अध्यापन में नवीन शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल संसाधनों और नवाचार आधारित तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी संकाय सदस्यों को एनसीआईएसएम की ओर से सहभागिता प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। संस्थान के डीन प्रो. डॉ. सुनील मिस्त्री और प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. पी. के. सिंह ने प्रतिभागी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के कौशल को नई दिशा देते हैं और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक एवं प्रभावी आयुर्वेद शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Apex Institute of Ayurvedic Medicine Participates in National Workshop on Digital Ayurveda Education

Chunar, Mirzapur | Demonstrating its commitment to integrating modern technology with traditional Ayurvedic education, the Apex Institute of Ayurvedic Medicine and Hospital, Chunar, actively participated in a national-level workshop organized by the National Commission for Indian System of Medicine (NCISM) under the Ministry of AYUSH, Government of India. The workshop provided faculty members with specialized training on innovative digital teaching tools designed to enhance the quality and effectiveness of Ayurveda education.Held on July 21, 2026, at the Government Ayurvedic College and Hospital, Patna, the workshop focused on the effective use of the "SAMSADHANI – Teaching Learning Platform" and the "Ashtanga Hridaya e-Reader", covering the first fifteen chapters of the classical Ayurvedic text. The programme brought together educators and subject experts from

different institutions to explore technology-driven approaches for teaching Ayurveda. The digital resources introduced during the workshop have been developed by the Department of Sanskrit Studies, University of Hyderabad, with the objective of making the teaching of classical Ayurvedic scriptures more accessible, interactive, scientifically structured, and technologically advanced. Experts demonstrated how these platforms can improve classroom engagement, simplify the understanding of complex Sanskrit texts, and enhance the overall learning experience for students. Representing the Apex Institute under the guidance of Chairman Prof. Dr. S. K. Singh, faculty members from the Samhita Siddhanta and Sanskrit Department actively participated in the training sessions. The institute's delegation included Head of Department Prof. Dr. Anil Shukla, Dr. Amit Sharma, Dr. Gyanesh, and Acharya Neelkamal Mishra.During the workshop, participants received practical training on incorporating digital tools into the teaching of Ayurvedic classics, particularly the Ashtanga Hridaya, one of the foundational texts of Ayurveda. Experts highlighted innovative teaching methodologies, interactive digital content, and technology-enabled learning techniques that can make traditional knowledge more engaging and effective for students.The sessions also emphasized the importance of digital transformation in higher education, particularly in specialized disciplines such as Ayurveda, where the integration of classical knowledge with modern educational technology can significantly improve academic outcomes.Upon successful completion of the programme, all participating faculty members were awarded Certificates of Participation by the National Commission for Indian System of Medicine in recognition of their active involvement in the national training programme.Congratulating the faculty members, Dean Prof. Dr. Sunil Mistry and Principal Prof. Dr. P. K. Singh said that participation in national-level academic workshops reflects the institute's continuous commitment to faculty development and educational excellence.They noted that such professional development programmes enable teachers to remain.

भारत का सबसे विश्वसनीय न्यूज ऐप
इनस्टॉल करें दैनिक भास्कर और पाएं लोकल न्यूज
GET IT ON Google Play
Download on the App Store

एनसीआईएसएम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में एपेक्स आयुर्वेद संस्थान के संकाय सदस्यों ने किया प्रतिभाग

चुनार, मिर्जापुर। एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल चुनार के चेयरमैन प्रो. डॉ. एस. के. सिंह की संरक्षता में संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत विभाग के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (छब्ैड) आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया। यह कार्यशाला 21 जुलाई, 2026 को राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय,श पटना में आयोजित की गई। कार्यशाला में ैंडै ।क्भ ।छप् दृ ज्मंबीपदह स्मंतदपदह त्मेवनतबम तथा ैीजंदहं भ्तपकंलं म्–त्मंकमत (थ्पतेज थ्पजिममद बैंचजमते)ष के प्रभावी उपयोग पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह डिजिटल शिक्षण सामग्री हैदराबाद विश्वविद्यालय के संस्कृत अध्ययन विभाग द्वारा विकसित की गई है, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद के शास्त्रीय ग्रंथों के अध्यापन एवं उनकी वैज्ञानिक व्याख्या को अधिक प्रभावी, सरल एवं आधुनिक बनाना है। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में एपेक्स के संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अनिल शुक्ला, डॉ. अमित शर्मा, डॉ. ज्ञानेश एवं आचार्य नीलकमल मिश्रा ने सक्रिय सहभागिता करते हुए आयुर्वेद संहिताओं के अध्यापन में नवीन शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल तकनीकों तथा नवाचार आधारित शिक्षण संसाधनों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (छब्ैड) की ओर से सहभागिता प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर एपेक्स के डीन प्रो. डॉ. सुनील मिस्त्री एवं प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. पी.

के. सिंह ने प्रतिभागी संकाय सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर के ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशल को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक डिजिटल शिक्षण संसाधनों के समावेश से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी एवं तकनीक–सम्मत आयुर्वेद शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी तथा संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता को और अधिक मजबूती प्राप्त होगी।